वैश्या

-एक सच्ची कहानी

vikaszain@gmail.com

WRITER- VIKAS JAIN

यह कहानी है दो लडकियों की जिन्होंने कभी ख्वाब मे भी नहीं सोचा था की वो एक दिन ज़िन्दगी मे एक ऐसे मोड़ पे आकर कड़ी हो जाएंगी जहा उन्हें कोई जनता नहीं होगा !

यह कहानी है रेखा और आप्ती की !

रेखा पश्चिम बंगाल के छोटे से गाँव की लड़की थी !

रेखा के परिवार मे छेह लोग थे जिसमे दो छोटे भाई देवआशीष और देबोआशीष एक छोटी बहन मृणाली उसके बाबा सुधानकर चटर्जी और उसकी

vikaszan@gmail.com

माँ अर्पिता चटर्जी ! रेखा का परिवार एक मध्यम वर्गीय परिवार था उसके बाबा किसान थे उनके पास थोड़ी से जमीन थी जिस पे वो फसल लगा कर अपनी मेहनत से अपने और अपने बच्चो के जीवन को बेहतर बनाना के लिए मेहनत किया करते थे !

रेखा की एक सहेली थी शबाना ! शबाना एक गरीब परिवार की लड़की थी उसके परिवार मे कमाने वाला सिर्फ एक और खाने वाले पाँच लोग थे, शबाना, शबाना के वालिद रशीद खान, उसकी अम्मी नौशाद बेगम, शबाना की छोटी बहिन इशरत और छोटा भाई इमरान ! शबाना के वालिद एक मजदूर थे जो दिन भर मेहनत करके जैसे तेसे अपने परिवार का भरण पोषण करते थे!

vikesain@gmail.com

हमारी कहानी की दूसरी लड़की का नाम है आप्ती, आप्ती हिन्दुस्तान के पास के देश नेपाल के छोटे से कसबे के एक साधारण से किसान की लड़की है घर मे सिर्फ पाँच लोग पहले उसके बाबा बिलास नेउपने उसकी अम्मा नूरज दो छोटी बहने मनीषा और टीना.

बिलास नेउपने एक छोटा से किसान था उनके पास वैसे तो ज्यादा कुछ नहीं था बस ठीक ठाक रोज़ी रोटी चलाने क साधन था तो बस उनकी खेती जो ठीक ठाक थी!

रेखा और शबाना दोनों एक साथ स्कूल मे जाया करती थी, एक हे क्लास मे एक साथ पढ़ा करती थी

vikaszain@gmail.com

एक साथ स्कूल से आना एक साथ खेलना दोनों काफी अच्छी सहेली थी..... शबाना क अब्बू जानते थे की वोह शायद शबाना को ज्यादा पड़ा ना पाए पर वो हिम्मत ना हारते हुए कोशिश करते रहते थे और खुली आँखों से अपने बच्चो के लिया सपने सजाते थे की एक दिन उनके बच्चे पढ़ लिख कर उनके जीवन को कुछ मकसद दे पाए और हालात बेहतर हो सके !

वही रेखा के पिता का भी यही मानना था की बेटियों को पढ़ाना चाहिए जिससे वो आत्मानिर्भर बन सके और पढ़ लिख कर अपने पैरो पे खड़े होकर वक़्त आने पे अपने परिवार की मदद कर सके पर वही

vikaszain@gmail.com

रेखा की माँ की सोच अलग थी वो धार्मिक और पुराने विचारो वाली थी उनकी नजर मे लडकियो को पढ़ाना फालतू खर्चा था क्यूंकि लडकियों को शादी करके उनके पति के घर जाकर कलम नहीं बेलन और चोका चलाना होता है , परिवार का वंश आगे बढाना होता है ना की नौकरी करके पैसा कमाना , पर रेखा क पिता इन सब चीजों को और बातो को नजरअंदाज करके अपनी बेटियों को अपने बेटे की तरह पढ़ा लिखा कर आत्मनिर्भर बनाना चाहते थे !

आप्ती घर की सबसे बड़ी लड़की थी उसके पिता की हैसियत नहीं थी की वो अपने बच्चो को स्कूल भेजने की सोचे बस जेसे तेसे घर का खर्च चल जाता

vikas2@gmail.com

था और परिवार को दो वक़्त की रोटी नसीब हो जाए यही उनका मकसद होता था... आप्ती की माँ भी घर मे सिलाई का काम करके थोड़े बहुत पेसे कमाती थी जिससे वो अपने पति की घर खर्च मे मदद करती थी .....

जैसा तेसे जीवन चल रहा था आप्ती, रेखा और शबाना का तीनो चौदह साल की हो गयी थी !

आप्ती तो कभी स्कूल जा हे नहीं पाई और वही परिवार की आर्थिक हालत और कमजोर होना की वजह से शबाना की पढाई बंद हो गई थी !

vikaszain@gmail.com

रेखा ने सातवी कक्षा पास कर ली थी और हमेशा की तरह वो अपनी सहेली शबाना के साथ खेलती और घुमती थी, उसने शबाना के स्कूल छोड़ने से उसका साथ कभी नहीं छोड़ा !

रेखा के पिता ने इस बार ज्यादा फसल उगाना के लिए गाँव के जमीनदार से अपनी जमीन गिरवी रख के कर्ज लिया था उन्हें उम्मीद थी की इस बार अच्छी फसल उगा कर अच्छे पैसा कमा पायेंगे !

इसी उम्मीद से वो खेत मे दिन रात काम करते थे पर एक दिन खेत मे काम करते वक़्त सांप के काटने से रेखा के पिता की मृत्यु हो जाती है ! एक ही पल मई जैसे पूरी दुनिया तेहस नहस हो गई हो

vikasain@gmail.com

सब कुछ जैसे बिखर सा गया हो रेखा के जीवन मे जैसा भूचाल सा आगया हो उसके परिवार एक गहन सदमे मे आजाता है ! बीच बुवाई मे रेखा के पिता की आकस्मिक मृत्यु से रेखा की माँ अपने खेतो को नहीं बचा पाती और गाँव का जमीनदार खेत अपना कब्जे मे ले लेता है ! एक हंसता खेलता परिवार सड़क पे आ जाता है !

दुख के बादल जेसे चटर्जी परिवार पे उमड़ पड़े थे एक कमाने वाला था जो पूरे परिवार का भरण पोषण करता था और वही एक जमीन जिसके दम से सुधानकर चटर्जी अपने परिवार के भविष्य के सपने देखा करते थे ..... ना तोह वोह जमीन उनकी

vikesain@gmail.com

रही और न सुधानकार चटर्जी और ना उनके सपने .....

रेखा के पिता की मौत के बाद से रेखा के परिवार की आर्थिक हालत और बत्तर होती चली गयी रेखा की माँ लोगो के यहाँ काम करके जेसे तेसे अपने परिवार के लिए दो वक़्त की रोटी कमाना लगी , रेखा की पढाई भी अब छूट गयी रेखा के सारे सपने जेसे आसुओ के साथ बह गए ! एक हंसता खेलता परिवार आज जेसा टूट सा गया !

वही आप्ती का परिवार भी बड़ी मुश्किलों से अपना जीवन बसर कर रहा था ! आप्ती घर की बड़ी थी

vikaszain@gmail.com

और चौदह साल की भी होगी थी घर वाले उसकी शादी करना चाहते थे, उनके रिश्तेदार ने आप्ती का रिश्ता एक चोबीस साल एक नेपाली लड़के अमेय थापा से करवा दिया जो की दिल्ली मे कार मैकेनिक का काम करता था... अमेय का परिवार उसी गाँव का था जहां आप्ती का परिवार रहा करता था कुछ सालो पहला अमेय के बाबा के देहांत के बाद अमेय अपनी माँ को लेकर दिल्ली अपने बड़े भाई के पास दिल्ली चला गया था जहा उसने काम करके खुद का एक छोटा घर और एक गैरेज बना लिया था ! अमेय और आप्ती की शादी हो जाती और शादी करके आप्ती अमेय के साथ दिल्ली आ जाती है ! शादी के बाद आप्ती को जिंदगी बड़ी सुहानी सी लगती है

vikas2in@gmail.com

जैसे उसे उसके सपनो का राजकुमार मिल गया हो उसकी जिंदगी पहले से बेहतर हो जाती है और धीरे धीरे वो अपने परिवार से दूर होने क गम को भूल जाती है और अमेय क साथ अपनी शादी शुदा जिंदगी मे ख़ुशी ख़ुशी रहने लगती है !

वही दूसरी और रेखा और शबाना का जीवन मुश्किलों मे निकल रहा होता है और तभी उन्हें एक ऐसी किरण नजर आती है शायद जिससे वो अपने परिवार का दर्द कुछ कम कर सके !

शबाना के वालिद के चचेरा भाई अकरम अपने भाई से मिलने गाँव आता है ! अकरम खान अहमदाबाद

vikaszain@gmail.com

गुजरात मे एक फैक्ट्री मे नौकरी करता है ! अपने भाई की आर्थिक हालत देख कर वो अपने भाई को शबाना को उसके साथ अहमदाबाद भेजने के लिए कहता है और बताता है की शहर में काम करने वालो की बहुत जरुरत है वो शबाना को वहा नौकरी दिलवा देगा जिससे चार पेसे कमा कर वो सबकी मदद कर पायेगी ! अकरम की बात को सुन कर शबाना के वालिद गुस्सा हो गए और बोले की अभी हम मई गेरत बाकी है अकरम मिया हम अपनी बेटी की कमाई खायेंग , मर जायेंगा पैर ऐसा हरगिज नहीं होना देंगा हम अपनी शब्बो को कही नहीं भेजेंगे अकरम ने कहा भाईजान आपकी मर्जी है हम तो

vikas2@gmail.com

सिर्फ आपको सलाह दे सकते थे आगे आप जेसा ठीक समझे !

शबाना की अम्मी सब सुन रही थी और उन्हें अकरम की बात ठीक लगी उन्होंने शब्बो के अब्बू को बहुत समझाया और राजी कर लिया यह सुन कर शबाना बहुत खुश हुई और सोचा की अब वोह भी अपने घर की मदद कर पायेगी और एक बड़ा शहर में रहकर अपने अब्बू की मदद कर पायेगी !

शबाना के वालिद ने अकरम से कहा की वो शबाना को उसकी जिमेदारी पर भेज रहे है और शबाना उसके साथ ही रहेगी इसी शर्त पे वो शबाना को

vikasz@gmail.com

जाना देंगे इसपर अकरम ने शबाना के अब्बू को कहा की वो अपने चाचा क यहाँ नहीं रहेगी तो और कहा रहेगी इतना बड़ा शहर मे हम बच्ची को अपने से दूर थोड़ी न रखेंगा भाई जान आप बेफिक्र रहे हम शबाना का पूरा ख्याल रखेंगे ! शबनम यह सुनकर बेहद खुश होगी और सीधा अपनी सहेली को यह खुश खबरी देने पहुँच गयी , रेखा के पास जाकर शबनम ने उसे बताया की उसके चाचा उसे अहमदाबाद ले जा रहे है और वहा उस नौकरी भी दिल्वायेंगा ! यह सुन रेखा ने शबनम से कहा की क्या तुमारे चाचा मुझे भी नौकरी दिलवा सकते है यह सुनकर शबनम खुश हो गयी और बोली चलो चाचा से चलकर खुद पूछ लेते है ! शबनम रेखा को

vikas2in@gmail.com

लेकर सीधे अपने घर अकरम चाचा क पास पहुचती है और रेखा से मिलवाकर चाचा से पूछती है की क्या आप मेरी सहेली रेखा को नौकरी दिलवा सकते हो क्या वो भी हमारे साथ शहर चल सकती है ! अकरम ने कहा हा मे दिलवा सकता हु यह सुनकर दोनों सहेली बहुत खुश हुई शबाना के अब्बू को भी यह बात ठीक लगी की दोनों अगर साथ रहेंगी तो फिक्र कम रहेगी , और येही बात सोच कर शबाना के अब्बू, शबाना की अम्मी, अकरम और रेखा और शबाना सब रेखा की माँ से इस बारे मे बात करने जाते है !

रेखा की माँ पहले तो मना करती है पैर फिर रेखा की जिद्द देख कर हाँ कर देती है और सोचती है शबाना

vikaszali@gmail.com

भी साथ है और आखिर इस से उनके परिवार को थोड़ी मदद मिल पायेगी जिससे उनके बेटे पढ़ पायेंगे ! माँ के हाँ कहने पे रेखा खुश हो जाती है और सोचती है की अब वो अपने पिता क सपने पूरे कर पाए और अपने छोटे भाइयो को पढ़ा लिखा कर एक कामयाब इंसान बना पाए !

कुछ दिनों बाद दोनों सहेली रेखा और शबनम , अकरम के साथ अहमदाबाद शहर के लिया गाँव से चल देती है , शहर पहुँच के बड़ी बड़ी इमारते और सड़क पे दौड़ती चमचमाती लम्बी गाड़िया देख दोनों बड़ी खुश होती है ! शुरुवात मे शहर की जिंदगी बहुत अच्छी लगती है एक हफ्ता गुजर जाता है पर रेखा और शबाना को कोई नौकरी नहीं मिलती , एक दिन

शाम को अकरम अपनी नौकरी से लोटकर आता है और बताता है की शबाना को एक बहुत बड़ा घर मे नौकरी मिल गई है जहा उस तीन वक़्त खाना मिलेगा , रहने के लिए भी जगह मिलेगी और बहुत अच्छे पैसा भी मिलेंगे , यह सुन कर शबनम बड़ी खुश होती है लेकिन रेखा कहती है की रशीद चाचा ने तो आपको शबनम को साथ रखने क लिया कहा था फिर आप इसे कही और केसे रहने भेज सकते हो अकरम चाचा , अकरम कहता है मे जनता हूँ पर क्या करे बड़ी मुश्किलों से एक नौकरी हाथ लगी है और रही बात साथ रहने की तो जहा शबनम नौकरी करेगी वो मेरी फैक्ट्री के रास्ता मे ही है तो जब मन करेगा मिल आया करेंगा ! इस पर रेखा ने कहा क्या

vikas2@gmail.com

मुझे भी वह नौकरी नहीं मिल सकती तो अकरम ने जवाब दिया की वहाँ पे एक हे इंसान की जरुरत है ! यह सुनकर रेखा उदास होगी जिस सहेली के साथ और भरोसा वो शहर आई थी अब वो काम के चक्कर मे उससे अलग हो जाएगी पर एक तरफ शबाना को काम मिलने के लिए खुश भी थी !

दो दिनों बाद अकरम शबाना को अपना सामान लेकर चलना को कहता है और रेखा को घर पे रुकने क लिया कहता है रेखा शबाना को जाता देख रोना लगती है उसके गले लग कर यह देख अकरम कहता है रोना बंद करो जब मिलना का जी करेगा

vikasan@gmail.com

तो हम शबाना से मिलवा लायेंग , और यह कहकर वो शबाना को लेकर चला जाता है !

शाम को अकरम काम से लोटकर आता है मुह हाथ धोकर खाना मांगता है रेखा उसे खाना परोस देती है खाना खाते मे रेखा अकरम से पूछती है की उस कब नौकरी दिलवाएगा तो अकरम कहता है बहुत जल्दी इस पर रेखा अकरम से कहती है की शबाना के आस पास हे नौकरी दिलवा दे जिससे वो शबाना से भी मिल पाए अकरम हां कहकर खाना खा कर सोने चला जाता है !

अगला दिन सुबह सुबह अकरम को नींद मे कुछ आवाज सुनाई देती है वो उठकर देखता है तो रेखा

vikasan@gmail.com

नहा रही होती है ! वो रेखा को नहाते देखता रहता है रेखा बहुत खुबसूरत लड़की थी अकरम रेखा को चुप चाप सुराग मे से नहाते देखता रहता है रेखा नहा कर अपने कपड़े बदलती है और बाथरूम से बहार आना लगती है अकरम यह देखकर चुप चाप अपने बिस्तर पे वापिस आकर लेट जाता है और ऐसे दिखता है की जैसे वो अभी भी सो रहा है !

थोड़ी देर मे अकरम सोकर उठ कर तैयार हो कर अपना टिफ़िन लेकर फैक्ट्री चला जाता है पूरी दिन वो सुबह रेखा को नहाते देखने की बात याद करता रहता है , और शाम को वो इसी बात को लेकर दारु पी लेता है और रात को करीब १२ बजे अपने घर पहुँचता है रेखा सो रहे होती है गेट खटखटाना की

vikaszain@gmail.com

आवाज सुनकर उठकर देखती है की अकरम बहार खड़ा है और गेट खोल देती है और अकरम से कहती है चाचा आप मुह हाथ धो आओ मे आपके के लिया खाना लगा देती हूँ और रसोई की तरफ चली जाती है , अकरम घर का गेट लगा कर टीवी चालू कर देता है और टीवी की आवाज तेज़ कर देता है और रेखा के पीछा पीछा किचन मे जाकर रेखा को जोर से पकड़ लेता है रेखा के हाथ से खाना की प्लेट गिर जाती है वो कहती है चाचा जी आप यह क्या कर रहे हो पर अकरम एक नहीं सुनता और वोह रेखा के साथ जबरदस्ती करता है और उसके साथ बलात्कार कर देता है, रेखा रोती रहती है पर अकरम एक नहीं सुनता उसपे तो जैसा हैवान चढ़ जाता है !

vikas2in@gmail.com

उस रात अकरम पूरी रात रेखा के साथ बलात्कार करता है और रात मे ही रेखा के मुह पे कपडा बाँध देता है और उसके हाथ पैर भी बाँध देता है जिससे वो ना चिल्ला पाए और ना भाग पाए !

यह तो अब जैसा रोजाना की बात हो गयी थी रोजाना शाम को काम से लोटकर वो रेखा के शरीर को नोचता था और उसके साथ जबरदस्ती करता था और फिर उसे बाँध देता और अपने काम पे चला जाता ! एक दिन अकरम फैक्ट्री जाता वक़्त शबाना से मिलने जाता है शबाना उससे कहती है की उसे रेखा से मिलना है और दो दिनों बाद घर आएगी क्यूंकि जहा वोह कम करती है वो पूरा परिवार बहार

vikaszain@gmail.com

जा रहे है कही ३-४ दिनों के लिए, इस पर अकरम भोक्ला जाता है और कहता है की रेखा की नौकरी अहमदाबाद के पास के शहर बरोड़ा मे लग गयी है और वो वहाँ चली गयी है ! यह सुनकर शबाना को अजीब लगा और बोली मुझसे बिना मिला चली गयी बड़ी अजीब बात है यह तो ठीक है चाचा कोई बात नहीं वो चली गयी पर मुझे तो आपके पास रहने आना ही है क्यूंकि सब जा रहे है ! यह सुनकर अकरम घबडाह जाता है और सोचता है की अगर शबाना घर आई और रेखा ने सब बता दिया तो वो फंस जाएगा ! उस दिन अकरम फैक्ट्री में गुमसुम सा रहता है है तो उसके दोस्त उससे पूछते है की क्या बात है अकरम उन्हें सब कुछ बता देता है तो

vikas2in@gmail.com

वो अकरम से कहता है चल चिंता मत कर हम है ना और शाम को मिल सब ठीक हो जाएगा !

शाम को फैक्ट्री से निकलने के बाद अकरम अपने दोनों दोस्तों को शराब क अड्डे पे मिलता है वह वोह शराब पीते और अकरम से कहते है की तू उस लड़की को एक दलाल को बेच दे जिससे तेरी टेंशन ख़तम हो जाएगी ना तो वो लड़की वहां से भाग पायेगी और ना किसी को बता पायेगी ! यह सुन कर अकरम उनकी बात मान लेता है पर कहता है की मे लेकिन ऐसे किसी आदमी को नहीं जनता इस पर उसके दोस्त कहते है की हम जानते है तू टेंशन ना ले बस हमारा ध्यान रखियो , अकरम उनसे पूछता

vikasan@gmail.com

है बोलो क्या चाहिए तब उसके दोस्त कहते है की जो पैसा दलाल लड़की के देगा उसमे से आधा और एक बार हम भी लड़की को चखना चाहते है , अकरम बिना सोचे हाँ कर देता है और बस जल्दी से जल्दी इस झंझट से बहार निकालने की !

अकरम और उसके दोनों दोस्तों बहुत दारु पीकर रात को अकरम के घर पहुचंते है रेखा के साथ तीनो बारी बारी पूरी रात बलात्कार करते है और रात के अँधेरा मे ही उसे अहमदाबाद के एक लडकियों क दलाल जैमिन गॉर को तीस हजार मे बेच देते है !

vikasain@gmail.com

वही दूसरी तरफ आप्ती की जिंदगी बड़ी ख़ुशी ख़ुशी चल रही होती है , एक दिन आप्ती की सास का देहांत हो जाता है अब घर मे आप्ती और आप्ती का पति अमेय ही रह जाते है दोनों हंसी ख़ुशी अपना जीवन बिता रहे होता है लेकिन किस्मत जैसा अजीब खेल खेलना चाहती हो हमेशा जिस जगह पे अमेय का गेराज था वह सरकारी जगह होती है और सरकार वह सरकारी बाथरूम बनाना चाहती है इसलिया अमेय को एक सरकारी नोटिस मिलता है की दो दिनों मे वो जगह खाली कर दे वरना सब तोड़ दिया जाएगा , मजबूर होकर अमेय को जगह खाली करनी पड़ती है ! अमेय बहुत निराश हो जाता है जिसके चलते उस शराब पीना की आदत लग

जाती है काम छुटना से वो गलत संगत मे पढ़ जाता है जहा उसे जूआ खेलना की आदत पढ़ जाती है रोजाना शराब पीकर घर जाना उसकी आदत होगी थी जिस पर उसकी आप्ती से लड़ाई होती थी और फिर अमेय आप्ती पे हाथ उठाता था ! आप्ती को जैसा अब अपना सपनो का राजकुमार एक राक्षस सा लगने लगा ! शराब और जूए की आदत अब इतनी बाद गयी थी की एक दिन अमेय ने दाओ पे अपना घर लगा दिया और हार गया इस पर उसने कहा की एक बाजी और खेलेगा तो लोगो ने उससे कहा तेरे पास अब क्या है दाओ पे लगाने को तो वो बोल की मे खुद को दाओ पे लगाता हूँ यह सुनकर

vikas2in@gmail.com

सब उस पर हंस पड़े और बोले की तेरा हम क्या करेंगे लगाना है दाओ पे तो अपनी बीवी को लगा !

यह सुनकर अमेय चुप रह गया तब किसी ने बोल क्या हुआ बे डर गया क्या नहीं है तुझमे हिम्मत बड़ा आया , कहा गयी तेरी होशियारी अभी तो बड़ी बड़ी बातें कर रहा था अब निकल गयी तेरी हवा चल जा यहाँ से इतने में अमेय बोला चल लगाया दाओ पे अपनी बीवी को , पत्ते बाटे खेल शुरू हुआ सबकी नजर थी खेल पे और अंत मे अमेय फिर से हार गया और जिससे हारा था वो शहर का एक जाना माना कातिल अब्दुल रहीम था जिसके नाम में से रहीम था पर कर्मो से वो न तोह रहम करता था और ना हे

vikas2all@gmail.com

रहीम की तरह दोहे बोलता था ! उसने अमेय को कहा जा अपनी बीवी लेकर आ २ घंटे मे वरना वही आकर उठा ले जाऊंगा और तुझे ऊपर पंहुचा दूंगा ! अमेय घर पंहुचा और अपनी बीवी से कहा चलो मेरे साथ मे तुम्हे कही ले जाना चाहता हूँ और उस घर से लेकर वो उसे उस गुंडे के पास पंहुचा ! आप्ती ने कहा आप मुझे यहाँ क्यों लाये हो अमेय ने कुछ नहीं कहा और गूंगा बना रहा इतना मे अब्दुल बोला जानेमन आज से तुम हमारी हो यह तुम्हे हार गया है जूए मे , यह सुनकर जैसा आप्ती को कोई साप सुंग गया हो वो एक पल के लिए चुप रह गयी और फिर एक दम उठी और एक जोर का थप्पड़ लगाया दिया अब्दुल के मुहं पे और अमेय की शर्ट पकड़ कर कहने लगी

vikas2011@gmail.com

कह दो यह सब झूठ है , लेकिन अमेय उसका हाथ झटका कर वहा से चुप चाप बहार आ जाता है ! अब्दुल को गुस्सा आ जाता है और वो अमेय को अन्दर बुलाता है और कहता है देख अब मे क्या करता हूँ और वो अमेय के सामने आप्ती की इज्जात को तार तार कर देता है और उसके साथ बलात्कार करता है और अमेय चुप चाप खड़ा देखता रहता है इसके बाद अब्दुल अमेय को लात मार के जाने के लिए कहता है !

वही शबाना छुट्टी पर अपने चाचा अकरम के पास रहने आती है ! शबाना अकरम से रेखा को मिलने चलना की बात कहती है इस पर अकरम गाँव जाना

vikas2in@gmail.com

की बात कहता है , अकरम शबाना को लेकर गाँव आज जाता है शबाना क अब्बू अम्मी बहुत खुश होता है ! अगला दिन रेखा की माँ अर्पिता को पता चलता है की शबाना गाँव आई है तो वो उसके घर जाकर पूछती है की रेखा क्यों नहीं आई तब शबाना बताती है की रेखा अपने काम पे है और मेरे मालिक बहार गए थे इसलिया मे चाचा के साथ घर आगे रेखा की माँ पूछती है सब ठीक तो है वह वो और रेखा खुश तो है तो वो कहती है सब ठीक है अम्मा हम दोनों बहुत खुश है और अब जल्दी सब ठीक हो जाएगा !

vikas2in@gmail.com

लेकिन शबाना को क्या पता था की उसके चाचा ने कुछ ऐसा कर दिया है जिससे अब कुछ कभी ठीक नहीं होगा !

कुछ दिन गाँव रहकर शबाना और उसके चाचा अकरम वापस लोट आता है शबाना अपने काम पे वापस चली जाती है इससे अकरम को रहत मिलती है! जहा शबाना काम करती थी वो अहमदाबाद के एक बहुत बड़ा हीरे क व्यापारी थे उनके यहाँ एक नौकर था जिसका नाम करीम था शबाना और करीम एक दुसरे को पसंद करने लगे थे दोनों ने शादी करना फैसला किया था और शबाना ने करीम को राजी कर लिया था की निकाह के बाद भी वो

vikas2ali@gmail.com

काम करेगी और जो पैसा कमाएगी वो अपने गाँव अपने परिवार को भेजेगी और करीम इस बात पे राजी हो गया था ! बस फिर क्या था दोनों ने यह बात शबाना के चाचा अकरम को बताई अकरम ने गाँव मे खबर की और गाँव से शबाना का परिवार शहर आ गया और दोनों का निकाह करवा दिया ! निकाह के बाद शबाना करीम के साथ रहने लगी करीम एक बहुत नेक दिल और शरीफ इंसान था, ५ वक़्त की नमाज और सबाब के काम करने वाला बंधा था वो! वो शबाना को बहुत खुश रखता था ! शबाना की जिंदगी अब पहला से बहुत बेहतर थी प्यार करना वाला शॊहर अच्छी खासी नौकरी

vikas2in@gmail.com

जिससे वो गाँव में अपने परिवार की मदद कर पा रही थी !

वही दूसरी रेखा रोजाना दर्द सह रही थी जिस दलाल को उस बेच गया था वो उस रोजाना पीटता गरम सरिया से उसके शरीर को दागता और उसके साथ बलात्कार करता और अपने साथियो से करवाता और कहता की जब तक वो उसे उसका पैसा ब्याज समित कमा के नहीं देगी वो ऐसा करता रहेगा और रेखा चुप चाप सब सेहन करती लेकिन वैश्यावृति करने से इंकार करती ! उसके ना करने पे दर्द और बढता गया और एक दिन रेखा को मजबूरन हा करना पड़ा ! रेखा को रोजाना दिन भर नजाने

vikesain@gmail.com

कितने मर्दों के सामना नोचने के लिए छोडा जाता और ना उसे पैसे देता और ना ढंग से खाने को !

रेखा का दर्द बढता जा रहा था और उसके शरीर एक खेलने की चीज़ बन गया था जिसे रोजाना हैवानियत का शिकार बनना पड़ता ! वही आप्ती भी अपना आपा खो चुकी थी वो समझ ही नहीं पा रही थी की उसके पति ने जिसे वो अपना सब कुछ मानती थी उसे एक चीज़ समझा और जूए मे दाओ पे लगा दिया और एक ऐसा अँधेरी जगह लाकर छोड़ दिया जहा उसके शरीर को नोचा जाता है और पीटा जाता है !

पर एक दिन आप्ती ने ठान लिया की अब वो इस दर्द से निजात पाकर रहेगी और वो मौका तलाश ने

vikasjain@gmail.com

लगी वहा से भागने का और एक दिन उसे मौका मिला और वो उस केद्खाना से भाग निकली , भाग के सीधे वो रेलवे स्टेशन पहुची और चलती ट्रेन मे चढ़ गयी बिना जाने की वो ट्रेन कहा जा रही है वो बस उस दर्द से दूर जाना चाहती थी जिसे उसके पति ने दिया और उसे उस बेरहम अब्दुल रहीम को सोप दिया !

मुंबई स्टेशन पे अकेली आप्ती एक कोने मे बैठ कर रो रही होती है यह देख एक महिला उसके पास आकार कहती है क्या हुआ बेटी क्यों रो रही हो, आप्ती उस औरत को सब बता देती है वो औरत उस पूछती है क्या वो इस शहर मे किसी को जानती है आप्ती उस मन करती है तब वो औरत उस अपने

vikesain@gmail.com

साथ चलना को कहती है आप्ती मन कर देती है तब वो औरत कहती है मे समझ सकती हो जब तुम्हारे पति ने तुम्हारे साथ विश्वस्गाथ किया हो तो तुम मुझ अनजान औरत पे कैसे यकीन करोगी पर घबराओ मत और आप्ती का हाथ पकड़ के लेकर चल दी वो आप्ती को अपने घर ले गई जहाँ वो अपने १ बेटे के साथ रहती थी ! उसने आप्ती को खाना दिया और कहा की जब तक तुम रहना चाहो रहो यहाँ तुम्हे बिलकुल डरने की जरुरत नहीं आराम से रहो आप्ती ने उनका शुर्किया किया और कहा अगर कोई काम मिल जाए तो अच्छा होगा मे आप पर भोझ नहीं बनना चाहती ! यह सुनकर मीना भोसले ने आप्ती से कहा तुम ३-४ दिन आराम

करो जब तक मे तुमारा लिए काम का इंतजाम करती हूँ !

वही शबाना की जिंदगी बहुत सुकून से चल रही थी शबाना को जुड़वाँ बच्चे हुआ थे एक लड़का और एक लड़की , जिससे मिलने उसके चाचा अकरम आये थे ! अकरम ने आते ही शबाना से कहा बेहद खूबसूरत बच्चे है और हमने तुमारा अब्बू को खबर कर दी है वो कल गाँव से तुमारी अम्मी क साथ आ रहे है तुम्हे और अपना नवासा और नवासी को देखने ऐसा कहकर उन्होंने करीम को मुबारक बाद दी ! इतने मे शबाना ने कहा और क्या अपने रेखा को खबर की चाचा जान ! अकरम ने कहा नहीं पर अभी

vikaszain@gmail.com

कर देता हूँ और हॉस्पिटल से बहार निकल आया ! अगला दिन सुबह अकरम स्टेशन गाँव से आ रहे शबाना के वालिद और शबाना की अम्मी को लेने स्टेशन पर इन्तजार कर रहा होता है और अचानक वो देखता है की शबाना की अम्मी अब्बू और साथ मे रेखा की माँ अर्पिता भी है यह देख वो इस्त्ब्ध रह जाता है और हैरान होकर एक दम पूछ लेता है की आप यहाँ इस पर रशीद मिया कहते है ना दुआ न सलाम सीधा सवाल अकरम मिया यह कहा की तहजीब है अकरम एक दम बात सँभालते हुआ कहता है माफ़ कीजिये आपके आना की खबर नहीं थी इसलिया चोक गया !इस पर रशीद मिया कहते है हमने जब इन्हें शबाना के यहाँ बच्चे होना की

vikaszali@gmail.com

खबर दी तो इन्होने कहा की निकाह पे तो जा नहीं पायी अब कम से कम इस ख़ुशी की मौके पे तो मिल आये और फिर रेखा से भी मिला काफी वक़्त हो चला सोचा उससे भी मिल ले ! इस पर अकरम ने कहा बहुत अच्छा किया और फिर वो उन्हें लेकर अपने घर आ जाता है और पूरे रास्ते येही सोचता रहता है की अब क्या होगा इसकी माँ यहाँ आई है रेखा से मिलने की कह रही अब मे पकड़ा जाऊंगा , अकरम सबको घर छोड़कर नाश्ता लाना की बात कह कर घर से सीधा उन दोस्तों के पास जाता है जिन्होंने रेखा को बेचने मे अकरम की मदद की थी ! यह सुनकर उन दोनों के भी होश उड़ जाता है और वो अकरम को बहाना करने को कहते है की वो

vikas2in@gmail.com

सबको येही बोले की रेखा अपने मालिक के परिवार के साथ बहार गयी है ! अकरम नाश्ता लेकर घर लोट आता है सब नाश्ता कर के हॉस्पिटल चलने के लिए कहते है ! घर से निकलते वक़्त रेखा की माँ अकरम से पूछती है आपने रेखा को तो यह खुशखबरी भेज दी होगी अकरम भोक्लाते हुआ कहता हां हां जी मैने तो उसी दिन खबर भेज दी थी पैर वहा से अभी तक कोई खबर नहीं आई आते ही आपको बताता हूँ !

सब अस्पताल पहुचते है और बच्चो को देख बहुत खुश होता है और शबाना भी अपना अम्मी अब्बू और रेखा की माँ को देख बहुत खुश होती है और रेखा की माँ से कहती है की अब जल्दी से रेखा की

भी शादी कर दो इस पर रेखा की माँ अर्पिता कहती है की बेटी तेरे मुहं मे घी शक्कर और सब हँसने लगते है और बच्चो को खिलाना लगते है ! रेखा की माँ शबाना से पूछती है की रेखा कैसी है तो शबाना बताती है की वो रेखा से १ साल से नहीं मिली है रेखा तो जैसा मुझे भूल ही गयी है बस कभी कभी तार आता था और अब तोह ५-६ महीनो से वो भी नहीं आया ! रेखा की माँ कहती है वैसे पैसे तो वो हर महीने वक़्त पर भेज देती है और साथ मे तार भी पर डेढ़ साल बीत गया उसे देखे इसलिए सोचा चलती हूँ तुमसे और बच्चो से भी मिल लुंगी और रेखा से भी ! यह सुन शबाना ने कहा यह तो बहुत अच्छा किया आपने !

vikas2u@gmail.com

सारी बातें अकरम सुन रहा था और मन हे मन सोच रहा था की कैसे भी रेखा की माँ को वापस भेजना है थोड़ी देर बाद सब शबाना को आराम करने की कह कर वापस अकरम के घर लोट आता है ! अकरम भी तैयार होकर अपने काम पे जाने के लिए निकल जाता है और पूरे रास्ते सोचता हुआ जाता है की अब कैसे बचना है और तभी सड़क पार करते हुए उसे तेजी से आ रही बस टक्कर मार देती है जिससे उसकी वही मौत हो जाती है !

शाम को पुलिस अकरम के घर आकर यह खबर देती है तो रशीद मिया के होश उड़ जाते है और वो

vikas2in@gmail.com

अकरम के अब्बू को खबर देते है अगला दिन अकरम को कब्रिस्तान मे दफ़न कर देते है और दफ़न हो जाता है रेखा का राज़ की वो कहा है और किस हालत मे है !

कुछ दिनों बाद रेखा की माँ शबाना से पूछती है की क्या उस रेखा जहा काम करती है वहा कहा पता है उसके पास तो वो मना कर देती है ! रेखा की माँ अर्पिता बिना मिले अपनी बेटी से मजबूर होकर वापस गाँव लोट आती है ! महीनो बीतते जाते है और ना रेखा का कोई तार आता है और ना पैसे रेखा की माँ अर्पिता शबाना को खबर कर पूछती है पर उसके पास भी रेखा की कोई खबर नहीं होती !

vikasan@gmail.com

अर्पिता की फिक्र अब और बढती जाती है और वो उस ढुंढने के लिए अहमदाबाद आ जाती है उनका अहमदाबाद मे शबाना के इलावा कोई नहीं था इसलिए वो शबाना के पास आ जाती है और करीम से अपनी बेटी रेखा को ढुंढने मे मदद मांगती है करीम उनसे कहता है माँ जी आप फिक्र ना करो हम उन्हें ढुंढ लेंगे ! वो रेखा की माँ को लेकर पुलिस के पास जाते है और रिपोर्ट लिखवा देते है और रेखा की एक फोटो भी दे आते है ! जैसा रेखा की माँ ने पुलिस को बताया था की उसकी नौकरी बरोड़ा मे कही लगी थी इसलिए अहमदाबाद पुलिस रेखा की फोटो को बरोड़ा के थानों मे भेज देती है महीनो बीत जाते है पर रेखा का कोई सुराग नहीं मिलता आखिर मे थक

हार के रेखा की माँ वापस लोट आती है और अपनी बेटी की सलामती की दुआए भगवान् के सामने मांगती रहती है ! पुलिस को भी कही महीनो की मेहनत के बाद जब कोई सुराग हासिल नहीं होता तो वो केस बंद कर देती है!

इधर आप्ती को मीना भोसले भी एक मुंबई के कमाठीपुरा के एक कोठे पे बेच देती है जब उसे कोठे वाले ले जा रहे होते है तब आप्ती रोते हुआ पूछती है की क्यों फिर इतने दिन उसे रखा और अब उसका भरोसा क्यों तोड़ रही है वो ऐसा क्यों कर रही है वो तो मीना ने जवाब दिया तेरी अच्छी रेट का इन्तजार कर रही थी समझी इस पर आप्ती मीना के ऊपर थुक देती है और कहती है तुम्हारी वजह से

vikasan@gmail.com

अब वो किसी भी इंसान पे भरोसा नहीं कर पायेगी और वो लोग आप्ती को उठा कर गाडी मे ले जाता है कमाठीपुरा जहाँ उसे एक कोठे की कोठरी मे छोड़ दिया जाता है कोठे की अम्मा उसके पास आकर कहती है की सुन लड़की यहाँ से बहार जाने का कोई रास्ता नहीं है यहाँ जो एक बार आ जाता है वो यहाँ से सिर्फ मर कर बहार जा पता है इसलिए अच्छा येही होगा की तू चुप चाप समझ जा वरना हमे दूसरी तरह समझाना भी बहुत अच्छे से आता है ! आप्ती मना कर देती है जिस पर उस तरह तरह के जुल्म किये जाते है अंत मे हार कर वो इसे अपनी किस्मत समझ लेती है और पूरी तरह वैश्यव्रती के धंधे मे लिप्त हो जाती है !

vikas2@gmail.com

वही दूसरी तरफ रेखा भी वैश्याव्रती मे पूरी तरह लिप्त हो गयी थी जिस दलाल ने उस खरीदा था वो ग्राहकों से बिना कंडोम का इस्तमाल किये सेक्स करवाता था जिसके लिए वो ज्यादा पैसे लेता था जिस वजह से कही बार रेखा का गर्भपात करवाना पड़ा और एक दिन ऐसी खबर मिली जिससे रेखा के होश उड़ गए ! रेखा को AIDS की बीमारी हो जाती है जिससे उसके शरीर मे दर्द रहने लगता है उसका दलाल अब उसके पास ग्राहक लाना बंद कर देता है और खाना भी एक वक़्त का ही देता है ! रेखा अब उसके दलाल जैमिन गॉर को भोझ लगने लगती है क्यूंकि अब वो उससे पैसे नहीं कमा सकता था !

vikas2in@gmail.com

वही आप्ती वैश्य व्रती के धंधे मे बहुत आगे निकल जाती है और उस इलाके की सबसे फेमस वैश्य बन जाती है उसकी कोठे की अम्मा को अब आप्ती पे पूरा भरोसा हो जाता है और भला भरोसा क्यों ना हो आखिर आप्ती के उसे पैसे भी अच्छे मिलते थे और आप्ती के पास ग्राहक भी बहुत थे ! एक दिन उस कोठे पे एक लड़का आया और उसने अम्मा को आप्ती को उसके साथ बहार ले जाना की बात कही और कहा की इसके वो ५ हजार रुपए देगा वैसे आप्ती की एक बार की रेट मात्र ५०० रुपए थी जो सारे कमाठीपुरा मे सबसे ज्यादा थी फिर ५ हजार एक आदमी के साथ जाने की वो भी १ दिन के अम्मा को सोदा मुनाफे का लगा और उसने आप्ती

vikaszali@gmail.com

को लड़के के साथ जाने के लिए कह दिया ! वो लड़का आप्ती को लेकर लोनावाला के एक फार्म हाउस पे ले जाता है वहा वो उस शराब पीने के लिए कहता है आप्ती मना कर देती है पर वो लड़का जबरदस्ती करने लगता है फिर जैसे तेसे आप्ती उसे मना लेती है और फिर वो लड़का आप्ती को कपडे उतरने के लिए कहता है आप्ती कपडे उतार देती है और जैसे ही आप्ती कपडे उतारती है वो लड़का कपडे उठा कर बहार फेक देता है और इतने मे वहाँ २० लोग और आ जाते है! आप्ती यह देख घबराह जाती है और उसे सबकी नियात ख़राब दिखती है और वो भागने की कोशिश करती है पर वो लोग उसे घेर लेते है और बारी बारी सब उसके साथ

बलात्कार करते है और पूरी रात उसे जानवरों की तरह नोचते है और अगला दिन उसे कमाठीपुरा मे नंगा फेक कर चले जाता है ! जैसे ही यह खबर कोठे की अम्मा हीरा बाई को मिलती है वो आप्ती को लेकर सीधा अस्पताल जाती है ! आप्ती की हालत बहुत ख़राब हो जाती है और उसका खून बंद होना का नाम ही नहीं लेता डॉक्टर समझ जाता है की यह एक बलात्कार का केस है वो पुलिस को खबर दे देता है यह देख हीरा बाई वह से भाग जाती है पुलिस के आने के बाद डॉक्टर आप्ती का इलाज शुरू करते है ! ऑपरेशन के बाद डॉक्टर पुलिस को बताते है की उसके साथ कम से कम १५-१८ लोगो ने रेप किया है जिससे उसकी कोई नस फट गयी है जिससे काफी

vikaszaih@gmail.com

खून बह गया था अब हालत काबू मे आ गए है और कुछ दिनों मे वो ठीक हो जाएगी और तब पुलिस उसका बयान ले सकती है !

वही रेखा की हालत दिन पे दिन और ख़राब होती जाती है और एक दिन रेखा की हालत इतनी बिगड़ जाती है की उसे अस्पताल भर्ती करवाना पड़ता है ! शुरू शुरू मे तो अब्दुल उसका हाल चाल पूछने चला आता था पर धीरे धीरे उसने आना बंद कर दिया! एक दिन रेखा रो रही थी तभी अस्पताल मे काम करने वाली एक नर्स ने उससे पूछा की वो क्यों रो रही है तब रेखा ने उसे सारी बातें बताई जो भी आज तक उसके साथ हुआ है यह सब सुन कर नर्स सीधे डॉक्टर के पास गयी जो रेखा का इलाज कर रही थी

vikasan@gmail.com

सारी बात सुनकर डॉक्टर ने नर्स को चुप रहने को कहा और बोल की फालतू पुलिस के चक्कर मे फंस जाओगी तुम और हमे भी फसवा दोगी इसलिए मुहं बंद रहो अपना पर नर्स ने कहा की मैडम कम से कम उस लड़की के घर वालो को तो खबर कर दे इस पर डॉक्टर ने उसे बोल की हाँ मे खबर कर दूंगा और बोल तुम एक काम करो कुछ दिन के लिए छुट्टी पे चली जाओ मे इस लड़की के घरवालो को बुलाकर इसे उनके हवाले कर दूंगी , यह सुनकर नर्स वह से चली गयी ! अगले दिन जब अब्दुल रेखा को मिलने आया तो डॉक्टर ने उसे अपने केबिन मे आने को कहा और बोला की मुझे सब पता है की यह तुमारी बीवी नहीं है यह एक वैश्या है जिससे तुम धंधा

करवाते थे चाहूँ तो पुलिस को बता दूँ यह सुन कर अब्दुल डॉक्टर के पेरो मे गिर जाता है और कहता है ऐसा मत करियेगा फिर डॉक्टर कहती है की २० हजार रूपये दो मे अपना मुहं बंद रखूंगी अब्दुल मान जाता है और डॉक्टर से कहता है की मे अब इससे और मिलने नहीं आऊंगा बस आप मुझे उस दिन खबर कर देना जिस दिन यह मर जाए तो इसकी बॉडी को ठिकाने लगा दूंगा जिससे पुलिस का चक्कर ना पड़े यह कह कर अब्दुल डॉक्टर को पैसे देकर वह से चला जाता है ! और सही दो दिन बाद रेखा अपना उस अस्पताल मे दम तोड़ देती है! और उस दिन वो डॉक्टर जिससे अब्दुल की डील हुई थी

vikas2in@gmail.com

अस्पताल मे नहीं होती क्यूंकि वो दुसरे शहर एक डॉक्टर मीट मे गयी होती है

दो दिन तक रेखा की बॉडी को क्लेम करने कोई नहीं आता ! अस्पताल वाले पुलिस को इस बात की खबर देते है तभी डॉक्टर नेहा वह आ जाती है और फटाफट अब्दुल को इस बात की खबर दे देती है की जल्दी आ जाये क्यूंकि अस्पताल वालो ने पुलिस को भी खबर दे दी है जैसे ही पुलिस अस्पताल पहुचती है डॉक्टर नेहा उन्हें बताती है की उसने नाजिया के पति अब्दुल को खबर कर दी है वो आता ही होगा, इतने मे अब्दुल वह आ जाता है अब्दुल के आते हे डॉक्टर इंस्पेक्टर से कहती है सर यही है अब्दुल नाजिया के पति और अब्दुल को देख

कर पुलिस वाला वह से चला जाते है ! अब्दुल अस्पताल की कागज़ी कारवाई खत्म करके रेखा की बॉडी को गाडी से सीधे अहमदाबाद से १०० किलोमीटर दूर जंगल में फेक देता है !

वही आप्ती की हालत अब पहला से ठीक होना लगती है हीरा बाई उससे मिलना पहुचती है और कहती है की पुलिस को कुछ मत बताना वरना वो तुम्हे धंधा करने के जुर्म मे उल्टा जेल मे डाल देगी इसलिए उनसे कहना मे तुमारी मौसी हूँ और तुम शहर काम ढुढने आई थी और उन लडको ने तुम्हे रास्ते मे से जबरदस्ती गाडी मे बिठा कर लगाये और तुमरे साथ जबरदस्ती बलात्कार किया उन

vikaszain@gmail.com

लडको तुम नहीं जानती ! उस पल आप्ती ने सोचा की शायद यही मौका है सब सच बताने का शायद इसके बाद उसे जिंदगी फिर मौका नहीं दे इसलिए आप्ती ने पुलिस को सब सच बता दिया ! हीरा बाई को पुलिस ने नाबालिग लड़की से जबरदस्ती धंधा करने के जुर्म मे गिरफ्तार कर लिया साथ साथ मीना को भी पुलिस ने हिरासत मे ले लिया आप्ती का पति फरार है पुलिस आज तक उसे नहीं पकड़ पायी ! वही आप्ती को पुलिस ने काउन्सलिंग के लिए भेजा और वहा अपती से पूछा गया की क्या वो वापस अपने घर नेपाल जाना चाहती है इस पर आपति ने मन कर दिया इसलिए पुलिस ने आप्ती को एक ऐसी संस्था को सोप दिया जो वैश्य व्रती से

vikas2@gmail.com

मुक्त हूई महिलाओ के जीवन को सुधारने के लिए काम करती है !

वही दूसरी और जब नर्स जमुना बाई अस्पताल छुट्टी से वापस आई तो उसने रेखा के बारे मे पूछा जब उसे पूरी बात पता चली तो उसने तुरंत ही नारी संस्था से संपर्क किया और उसे रेखा के जीवन की पूरी कहानी बताई उस नारी संस्था ने सारी खबर पुलिस को दी जिससे पुलिस ने डॉक्टर नेहा को गिरफ्तार किया और नेहा की इनफार्मेशन से अब्दुल को अब्दुल से पूछताछ मे अकरम का नाम सामने आया और रेखा की बॉडी के कुछ हिस्सों को जंगल से बरामद किया गया ! पुलिस की दूसरी टीम अकरम के घर पहुची

तो पता चला की अकरम मर चूका है ! पुलिस ने अपनी फाइल खंगालना शुरू की तो रेखा की गुमशुदा की कंप्लेंट मिली जिसमे कंप्लेंट करने वाला का पता करीम खान का मिला पुलिस करीम के घर पहुचती है और सारी बात बताती है करीम और शबाना तुरंत गाँव मे शबाना की माँ आर्पिता को अहमदाबाद आना की खबर करते है अगला दिन जब रेखा की माँ अर्पिता वहा पहुचती है तब उन्हें पुलिस बताती है सारी कहानी और यह सब सुनकर वो फुट फुट कर रोने लगती है फिर रेखा की बॉडी के बचे कुचे हिस्सों को लेकर गाँव आकर उसका क्रिया करम कर देती है !

vikas2in@gmail.com

आखिर मे रेखा को कम से कम जीवन मे एक चीज़ ढंग की मिलती है वो था क्रिया करम , अब्दुल को ७ साल की सजा होती है और डॉक्टर नेहा को २ साल की साथ साथ उनकी डिग्री को निरस्त कर दिया जाता है ! रेखा के मुजरिम अकरम को तो ऊपर वाला सजा पहले ही दे देता है ! आज भी अकरम के दोनों दोस्त लापता है क्यूंकि उनका नाम ना तो अब्दुल को पता था और ना ही किसी और को !

ऐसे कही मानसिक विकारो वाले अकरम, अमेय जैसे लोग आज भी हमारे समाज मे खुले घूम रहे !

vikaszain@gmail.com

वैश्यों को हमारे समाज मे बहुत गन्दी नजर से देखा जाता है ! पर उन महिलाओ को जो इस धंधे मे आ जाती है उन्हें यह किसी न किसी मजबूरी से करना पड़ता है ! कई महिलाये अपने परिवार को पालने के लिए यह धंधा करती है तो ८० प्रतिशत को इस काली दुनिया मे धकेला जाता है !

कुछ को उनके परिवार के सदस्य बेच देते है और कुछ को धोखे से फसाया जाता है !

एक सर्वे एक अनुसार पूरे भारत मे लग भग ८०प्रतिशत औरतो को जबरदस्ती देह व्यापर मे धकेला जाता है !

vikaszain@gmail.com

एक सर्वे एक आकड़ो के हिसाब से सिर्फ मुंबई शहर मे २ लाख वैश्या है कलकत्ता मे यह आकड़ा १ लाख पे है दिल्ली मे ९५ हजार और आगरा मे १७ हजार !

यह गिनती सिर्फ उन रेड लाइट इलाको का है जिन्हें सरकारी इजाजत है ! बाकी पूरे देश मे एक अनुमानित ४० से ५० लाख वैश्याए है ! जिनमे से ४० प्रतिशत नाबालिग है !

अनुमानित २५% महिलाओ को जो वैश्यावृति के धंधे में लिप्त है उन्हें AIDS है !

vikasZair@gmail.com

१८% वैश्यऔ के साथ बलात्कार होते है जिनकी पुलिस रिपोर्ट नहीं होती कुछ पुलिस के डर के कारण और कुछ पुलिस करती नहीं क्यूंकि रिपोर्ट करने वाली वैश्य होती है !

हर साल हमारे देश मे नेपाल से ४० से ५० हजार लडकिया या तो खरीद के या धोखे से शादी या नौकरी के नाम पे लायी जाती है और यहाँ ला कर उन्हें इस जिस्म के धंधे मे लगा दिया जाता है !

हर साल ५ से ७ हजार वैश्याए AIDS की वजह से मरती है ! २ से ३ हजार बलात्कार की वजह से !

vikas2an@gmail.com

असलियत मे असली गिनती कोई नहीं जनता की कितनी सेक्स वर्कर है हिंदुस्तान मे कितनो को AIDS जैसी घातक बीमारी है कितनी हर साल गेंग रेप की वजह से मरती है ! वजह है क्यूंकि ना तो इनकी गिनती है और ना ही इनकी आइडेंटिटी , ना तो इनके पास वोटर कार्ड है और ना हे राशन कार्ड , अधिकतर सेक्स वर्कर दुसरे शहरों से लायी हुई होती है या दुसरे देश से !

इनके मानव अधिकारों का कैसा उलंगन होता है इस लोकतंत्र देश मे , इनके पास कोई मानव अधिकार हे नहीं , हमारी सरकार और समाज को यह लोग गाली लगते है !

vikaszain@gmail.com

अगर हमारे देश में देह व्यापर को वैध कर दिया जाये तो इन महिलाओ को एक पहचान मिल सकेगी , देह व्यापर भी एक कार्यछेत्र के रूप मे सामने आएगा जिससे ऐसी महिलाओ का शोषण बंद हो पायेगा साथ साथ इनके पास भी आई डी कार्ड होंगे जिसे मानव तस्करी पे भी कुछ हद्द तक अंकुश लगेगा , नाबालिग लडकियों को तथा जबरदस्ती लडकिया जो इस देह व्यापर मे डाली जाती थी उसपे भी अंकुश लगेगा

साथ साथ इस से कुछ हद्द तक बलात्कार जैसी घातक बीमारी पे अंकुश लग पायेगा....

vikas2in@gmail.com

देह व्यापार हमारी संस्कृति का सबसे पुराना व्यापार है जो पुराने ज़माने से चला आ रहा है !

फिर कोई लड़की रेखा की तरह गुमनाम जिंदगी ना जीये ! फिर किसी लड़की को आप्ती जैसा दर्द ना सहना पड़े !

धन्यवाद !!!

vikaszain@gmail.com